की प्रतिभूतियों और परिसंपत्तियों को लौटाने हेतु कुद्रेमुख आयरन ओर कम्पनी लिमिटेड ने बम्बई स्थित विशेष अदालत में एक याचिका भी दायर की है ताकि के०आई०ओ०सी०एल० द्वारा मैसर्स ए०बी०एफ०एस०एल० से बकाया राशि की प्राप्ति की जा सके।

(च) और (छ) के०आई०ओ०सी०एल० द्वारा मैसर्स ए०बी०एफ०एस०एल० में किये गये निवेश की सूचना प्रतिभूति एवं बैंकिंग कारोबार में अनियमितताओं की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिये अक्तूबर, 1992 में वित्त मंत्रालय को भी दे दी गई थी।

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड मुख्य सुधारों के लिये तैयार

4552. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 21 मई, 1993 के फाइनेंशियल एक्सप्रैस में "सेल सैट फार मेजर, ओवरहाल" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इसके वर्तमान प्रबंधन में बड़े पैमाने पर परिवर्तन करने का निर्णय किया है ;

(ग) यदि उपरोक्त भाग (ख) का उत्तर "हां" हो तो, क्या प्रस्तावित परिवर्तन में इसके मुख्य कार्यालय को उत्पादक एककों के निकट स्थानांतरित करने संबंधी निर्णय भी लिया गया है जिससे निसंदेह प्रभावी निगरानी में गहनता होने के साथ-साथ अन्य खर्चों में भी कमी होगी;

(घ) यदि नहीं, तो ऐसा निर्णय न लेने के क्या कारण हैं ; और

(ङ) सरकार द्वारा अब तक लिये गये निर्णयों के परिणामस्वरूप इस कम्पनी को कुल कितनी वार्षिक बचत होने का अनुमान है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) जी, हां।

(ख) जी, नहीं। तथापि, संगठनात्मक आवश्यकता तथा आंतरिक और बाह्य वातावरण पर निर्भरता के अनुसार स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा पृथक-पृथक की प्रबंधकीय आवश्यकता तथा उपयुक्तता के अनुरूप समय-समय पर कुछ परिवर्तन किये गये हैं।

(ग) जी, नहीं।

(घ) 'सेल' के इस्पात संयंत्र और इकाइयां संपूर्ण देश में फैली हुई हैं और निगमित मुख्यालय की किसी विशेष इकाई/संयंत्र के समीप स्थानांतरित करने से कोई विशेष लाभ नहीं होगा।

(ङ) प्रबंधन में परिवर्तनों को सीधे मुनाफे से जोड़ना संभव नहीं है। वर्ष 1989–90 से उत्पादकता और लाभ के साथ 'सेल' के कार्य निष्पादन में वृद्धि की प्रवृत्ति में समग्र रूप से सुधार हुआ है।

Production of silver sheets by Salem Steel Plant

4553. SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN:
SHRI J. S. RAJU:

Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) why it is that Salem Steel Plant is producing Ever Silver sheets only and not pacca steel manufacturing plant; and

(b) what are the hinderance in the way of converting Salem Steel rolling mills into Steel producing plant?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) Salem Steel Plant is producing, cold rolled stainless steel sheets/coils. The plant was initially set up in March, 1977 at a cost of Rs. 181.19 crores to produce 32,000 tonnes per annum of cold rolled stainless steel sheets. The second cold rolling mill was sanctioned in March, 1988 which was completed at a cost of Rs. 76.27 crores in March, 1991. The capacity of the plant increased to 70,000 tonnes. As a next step in backward integration, hot rolling facilities have been sanctioned in April, 1991 at an estimated cost of Rs. 425.16 crores (revised cost Rs. 664.60 crores). This is to be completed in 48 months time i.e. by April, 1995.

Production from the facilities existing and now being installed at Salem Steel Plant will have to get stabilised before the next stage of plant development is taken up.

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा गैर-सरकारी व्यक्तियों को प्रशिक्षण

4554. **श्री मोहिन्दर सिंह कल्याण :**
श्री जागीर सिंह "दर्द" :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण के विमान से किसी गैर-सरकारी व्यक्ति को प्रशिक्षण देने की कोई व्यवस्था है ;

(ख) यदि नहीं, तो प्राधिकरण का विमान श्री एस०बी०सिंह० को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से उपलब्ध कराने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि श्री एस०बी० सिंह० ने यह विमान मुख्य विमान चालक के प्रभाव के अन्तर्गत उड़ाया, जो श्री एस०बी० सिंह के पिता है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि उक्त गैर-सरकारी व्यक्ति श्री एस० बी० सिंह ने स विमान द्वारा एक घंटा 55 मिनट प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसमें 21,600 रु० का व्यय अन्तर्ग्रस्त था तथा इस राशि को किस आधार पर वसूल किया गया ; और

(ङ) क्या गैर-सरकारी व्यक्ति को प्रशिक्षण देने के लिये उत्तरदायी अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही की गयी है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

इस्पात मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) से (ङ) सूचना एकत्रित की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

Production, export and import of steel

4555. SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN:
SHRI J. S. RAJU:

Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) what was the gross total production of steel in the year 1991-92:

(b) whether steel is being imported to meet the local demand;

(c) if so, the details thereof and the plans to step up export;

(d) which part of the country is producing best quality steel; and

(e) what are the proposals with Government to step up the production to meet the indegenous growing demand?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) The total production of Finished Steel in the country during the year 1991-92 was 14.33 million tonnes.

(b) and (c) Yes, Sir. The total import of Finished Steel during the year 1991-92 was 1.01 million tonnes. The total export of iron and steel by Main Porducers during the year 1991-92 was 3.87 lakh tonnes which increased to about 9.1 lakh